वृक्षों की अनधिकृत कटाई

5572. **श्री शिव चरण सिंह :** क्या **पर्यावरण और वन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश में वृक्षों की अनधिकृत कटाई और वनों में अनधिकृत खनन से संबद्ध मुकदमें दर्ज किये गये हैं; और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्यवार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि वृक्षों की कटाई करना और वनों में खनन कार्य करना तथा उत्पाद को ले जाना वन-उत्पाद की चोरी करना है और यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान विभाग द्वारा दर्ज करवाये गये चोरी के मामलों की राज्यवार संख्या कितनी है ;

(ग) क्या यह सच है कि विभाग स्वयं ही वन-संरक्षण के प्रति उदासीन रवैया अपनाये हुये हैं ; यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं और यदि नहीं तो वन अधिनियम बनाये जाते समय वन क्षेत्र कितने प्रतिशत था और अब कितना प्रतिशत है ; और

(घ) क्या यह सच है कि संबद्ध विभाग के वनों में तैनात कर्मचारी अपने कर्तव्यों के मामले में समय-निष्ठ नहीं, हैं ; यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं और यदि नहीं, तो क्या मौके पर जांच किये जाने का प्रस्ताव है ?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ) : (क) और (ख) पेड़ों की अवैध कटाई और वनों के भीतर अवैध खनन से संबंधित वन अपराध के मामलों को भारतीय वन अधिनियम, 1927 तथा वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के अन्तर्गत दर्ज किया जाता है । पेड़ों की अवैध कटाई तथा वनों के भीतर अवैध खनन कार्य अपराध है । वन विभाग की अनुमति के बिना वन उत्पाद ले जाना चोरी है । वन अपराध से संबंधित मामलों के ब्यौरे संबंधित राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों में सभाग स्तर पर रखे जाते हैं ।

(ग) जी, नहीं ।

वनों के प्रभावी संरक्षण उपायों एवं वैज्ञानिक प्रबंध की वजह से भारत के वन आवरण में वृद्धि हो रही है । वन आवरण के बारे में भारतीय वन सर्वेक्षण के 1987 और 1989 की रिपोर्टों की तुलना करने पर पता चलता है कि वार्षिक क्षति 47,500 है० थी और 1989 और 1991 की रिपोर्टों की तुलना से 28,000 है० वार्षिक बढ़ोत्तरी का पता चलता है । इसके अतिरिक्त, 1993 की रिपोर्ट के अनुसार, प्रतिवर्ष 1100 है० की वृद्धि देखी गई है ।

1993 के मूल्यांकन के अनुसार देश का वन आवरण 6,40,107 वर्ग कि० मी० है । जोकि देश के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 19.5 प्रतिशत है ।

(घ) जी, नहीं ।

गुजरात में वनों के विकास के लिए परियोजनाएं

5573. **श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल :** क्या **पर्यावरण और वन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गुजरात में वनों के विकास के लिये गत तीन वर्षों के दौरान, केन्द्रीय और विदेशी सहायता से शुरू की गई परियोजनाओं का वर्ष वार ब्यौरा क्या है ;

(ख) इस संबंध में अब तक कितनी उपलब्धि प्राप्त की गई है ;

(ग) राज्य को उक्त प्रयोजनार्थ कितनी वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाई गई है ; और

(घ) उन परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है जिनके निकट भविष्य में आरम्भ होने की संभावना है ?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ) (क) से (ग) विगत तीन वर्षों के दौरान गुजरात में वनों के विकास के लिये दी गई केन्द्रीय/विदेशी वित्तीय सहायता तथा प्राप्त उपलब्धियों के वर्षवार ब्यौरे विवरण दिए गये हैं । **(नीचे देखिये)**